वक्त

रामनाथ सिंह
रा.ज.सं.,रूड़की

वक्त मेरा है बदल जाएगा,
गिर गया हूं तो संभल जाएगा।
क्यों गम करते है कि ये तो अपना,
समय वक्त के साथ बदल जाएगा।।

ये तो मेरा देश है जो समझता है यहां,
कोई देश ओर होता तो रोता जाएगा।
घर में तो होती है छोटी–मोटी बहस,
कोई ओर हो तो झगड़ जाएगा।।

तुफां आया तो टूट गए घोसलें,
मैं वो तिनका नहीं जो बिखर जाएगा।
लाखों घायल थे हजारों मर भी गए,
कोई तो ऐसा है जो गिर कर संभल जाएगा।।

यूं तो तड़फ लेगें उनकी यादों में,
वक्त है फिर से बदल जाएगा।।

पाक करता कोई घटना कहीं,
चीन ये देख कर सरमाएगा।
यूं तो करते है देश दंगा कहीं,
पर हमें देख के डर जाएगा।।

वक्त अपना है जो बदल जाएगा,
गिर गए है, तो संभल जाएगा।।

अपने को आता है
बस इसमें ही रस
वर्ष में मना लेते
एक दिन हिंदी दिवस